ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-७६
दिनांक-मंगलवार,२३ अक्टूबर,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.२ एवं १६.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६३ सुबह में एवं दोपहर में ५० प्रतिशत, हवा की औसत गति १.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २४.५ एवं दोपहर में ३१.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२४ से २८ अक्टूबर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २४ से २८ अक्टूबर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३२ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान १८ से २० डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ३ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान धान की तैयार फसलों की कटाई करें। कटाई के बाद धान की फसल को २-३ दिनों तक खेत में सूखने के लिए रहने दें एवं उसके बाद धान की झड़ाई करें।
- रबी फसलों (आलू, मक्का एवं चना) की बुआई पूर्व खेत की साफ-सफाई एवं तैयारी करे। खेत के आसपास के मेड़, नालियाँ एवं रास्तो में उगे जंगलो की सफाई करें। गोबर की सड़ी खाद १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। खेत की नमी को बरकरार रखेने के लिए प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य चलावें।
- फसलों की बुआई से पूर्व खेत की मिटटी की नमी की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। नमी के अभाव में बुआई पूर्व खेत की सिचाई करें अन्यथा बीजो का जमाव प्रभावित हो सकता है। सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। खड़ी फसलों एवं सब्जियों में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- रबी प्याज की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए एग्रीफाउण्ड लाईट रेड, अर्का निकेतन, एन २-४-१, नासिक रेड, पूसा रेड एवं भीमाराज किस्में अनुसंशित है। बीज दर ८-१० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला में क्यारियों की चौड़ाई १.० मीटर एवं लंबाई अपने सुविधानुसार ३ से ५ मीटर रख सकते है। प्रत्येक २ क्यारियों के बीच जल निकास के लिए नाली अवश्य बनावें। सदैव उपचारित बीज का प्रयोग करें।
- लहसुन की बुआई करें। गोदावरी (सेलेक्सन-१), श्वेता (सेलेक्सन-१०), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी-११), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी-४१), एग्रीफाउंड पार्वती (जी-३१३), जमुना सफेद-२ (जी०-५०), जमुना सफेद-३ (जी०-२८२), जमुना सफेद-४ (जी०-३२३) एवं आर०ए०यू० (जी-५) लहसुन की अनुसंशित किस्में है। बीज दर ३००-५०० किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी १५X१० से०मी० रखें। बुआई से पहले खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास एवं २०-४० किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- मटर की बुआई करें। इसके लिए *रचना, मालवीय मटर-१५, अपर्णा, हरभजन, पूसा प्रभात एवं भी० ऐल०-४२* किस्में अनुसंशित है। बीज दर ७५-८० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी ३०X१० से०मी० रखें। बीज को उचित राइजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करे। बुआई से पहले खेतों में २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंशित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी ३०X२० से०मी० रखें। बीज को २.५ ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें। खेत की जुताई में १०० से १५० सड़ी गोबर की खाद, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- सरसों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। राई के वरुणा, पूसा वोल्ड एवं क्रान्ति किस्मों की बुआई करें। बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई ३०x१५ से०मी० पर कतार में करें। बुआई के समय खेत की जुताई में ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास एवं ३० से ४० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- मसुर के मल्लिका(के०-७५), अरुण (पी०एल० ७७-१२), बी०आर०-२५ के०एल०एस०- २१८, एच०यू०एल०-५७, पी० एल०-५ एवं डब्लू०वी०एल० ७७ किस्मो की बुआई करें। बुआई के समय खेत की जुताई में २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के पहले बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः १८.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.१ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी